हिन्दी Hindi Class 11 Important Question Chapter 8 भारतवर्ष की उन्नति कैसे हो सकती है?

1. भारतेंदु जी ने कैसी किताबें पढ़ने के लिए कहा है

उत्तर: भारतेंदु जी ने अच्छे साहित्य और अपनी भाषा की किताबें पढ़ने को कहा है।

2. भारतेंदु जी के अनुसार राजा और ब्राह्मणों के जिम्मे क्या काम था?

उत्तर: भारतेंदु जी के अनुसार ब्राह्मणों और राजाओं को अलग-अलग प्रकार की विद्या और नीति फैलाने के काम का जिम्मा दिया गया था।

3. निकम्मों को ठीक करने के लिए लेखक ने क्या उपाय बताया है?

उत्तर: लेखक कहते हैं कि निकम्मो को ठीक करने का उपाय बताया है कि उन्हें बांधकर कैद कर लो जितनी तुम में ताकत है उतना ही उन्हें नुकसान पहुंचाओ। लेखक यह भी कहते हैं कि अभी समय है कि अपने पति के कांटे को जड़ से उखाड़ के फेंक दो।

4. यह कथन किस संदर्भ में कहा गया है।

घर में आग लगे तब जीठानी दियोरानी को आपस का डाह छोड़ कर एक साथ वो आग भुजानी चाहिए।

उत्तर: इस संदर्भ में हिंदू और मुस्लिम के बीच जो दुश्मनी है उसके बारे में बताया गया है इसमें भारतेंदु जी कहते हैं कि अब समय आ गया है हमें यह सब भुलाकर अब एक हो जाना चाहिए।

5. युवाओं को कैसी सीख देने की जरूरत है?

उत्तर: युवाओं को ऐसी शिक्षा देने की जरूरत है जिसमें वह मेहनत करना भी सीखें। और यह भी शिक्षा देना आवश्यक है कि वह देश की उन्नति के लिए प्रायः तत्पर रहें।

6. धर्म नीति और समाज नीति को दूध पानी की भांति मिला दिया गया इस से आप क्या समझते हैं?

उत्तर: भारतेंदु जी कहते हैं महान पुरुषों और ऋषि यों ने पर्व और त्योहारों को धर्म से जोड़ दिया है। वह कहते हैं कि धर्म केवल ईश्वर के चरण कमल का भजन है। क्योंकि इन महान पुरुषों ने धर्म नीति और समाज नीति को दूध और पानी की तरह एक दूसरे में मिला दिया है।

7. भारत का पैसा इंग्लैंड और फ्रांस जैसे देशों को चला जाता है। पाठ के आधार पर टिप्पणी करें।

उत्तर: भारतेंदु जी कहते हैं कि भारत का जितना भी पैसा है वह किसी न किसी प्रकार विदेश जैसे इंग्लैंड फ्रांस जर्मनी अमेरिका चला जाता है। वह यह भी कहते हैं कि हमारे वर्तमान देश की जो स्थिति है वह पहले से बहुत बेहतर है । परंतु फिर भी अमेरिका फ्रांस जर्मनी के वस्तुओं का उपयोग हमारे देश में खूब किया जाता है और यही वजह है कि हमारे देश का जितना भी पैसा है वह दूसरे देश को चला जा रहा है।

https://www.evidyarthi.in/

8. हिंदी भाषा के उन्नति पर लेखक ने जोर दिया है?

उत्तर: लेखक कहते हैं और सही भी कहते हैं कि हमारे देश में कभी अपनी मातृभाषा है का सम्मान नहीं किया। राष्ट्रीय भाषा में अर्ध अधिकारिक और अधिकारिक कार्य किए जाते हैं। लेकिन यही परेशानी है कि आज आजादी के इतने सालों बाद भी हिंदी व सम्मान प्राप्त न कर सकी। वहीं दूसरी ओर दुनिया के सारे देश अपनी राष्ट्रभाषा के माध्यम से उन्नति प्राप्त कर रहे हैं यही कारण है कि आज देश सफल भी हैं।

9. कलेक्टर रोबोर्ट साहब बहादुर का उदाहरण लेखक ने किस संदर्भ में दिया है?

उत्तर: लेखक ने कलेक्टर रॉबर्ट साहब बहादुर एक परिश्रमी बताया है। वह कहते हैं कि समाज को उनसे कुछ सीख लेनी चाहिए रोबोर्ट का उदाहरण देकर उन्होंने समाज की ऐसी कल्पना की है कि जहां राजा के परिश्रमिक होने से प्रजा भी अधिक परिश्रमिक में होती है। लोग उन्हें देखकर कर्म की ओर अग्रसर होंगे और अपने आलस्य को त्याग देंगे।

10. गरीबी और इज्जत से आप क्या समझते हैं टिप्पणी करें।

उत्तर: जैसा हम सब जानते हैं गरीबी एक अभिशाप है एक गरीब परिवार तक ने ऐसा बचाने की हर संभव कोशिश करता है। भारतेंदु जी ने एक गरीब नई दुल्हन का उदाहरण देते हुए बताया है कि एक गरीब वधू के पास कम वस्त्र होते हैं परंतु वह उन्हीं से अपने अंगों को छुपा कर रखती है और अपनी इज्जत बचाने की हर संभव प्रयास करती है अर्थात यह प्रत्येक गरीब व्यक्ति हर संभव प्रयास करता है अपने अस्तित्व को बचाने के लिए।

11.समाज धर्म और धर्म का स्वरूप क्या है?

उत्तर: धर्म हर मनुष्य को समाज से जुड़ी रखता है और धर्म एक मजबूत कड़ी भी होती है जो मनुष्य को ईश्वर की भक्ति के लिए प्रेरित करती है। परंतु आजकल भारतीय समाज में इसका उपयोग हो रहा है जिस तरह नए नए बदलाव लाए जा रहे हैं ठीक उसी प्रकार समय-समय पर इन चीजों में भी बदलाव लाना चाहिए।

12. अपने देश की खराबियों के मूल कारण क्या है?

उत्तर: भारतेंदु हरिश्चंद्र जी आलसी, निकम्मे लोगों को देश की गरीबी का मूल कारण बताते हैं और यह बात बिल्कुल सच भी है। आजकल लोगों में आने से की क्षमता बढ़ गई है जिस वजह से उनकी योग्यताएं धीरे-धीरे समाप्त होती जा रही है और अब उनमें नेतृत्व करने का गुण बचा ही नहीं है। जिस प्रकार ट्रेन के डिब्बों को खींचने के लिए इंजन की आवश्यकता पड़ती है ठीक उसी प्रकार ऐसे मनुष्यों को नेतृत्व करने के लिए किसी मनुष्य की आवश्यकता पड़ती है इनमें स्वयं चलने की क्षमता होती ही नहीं। लेखक यह भी कहते हैं कि इन लोगों को बाहरी व्यक्ति के इशारों पर नाचने की आदत सी हो गई है जो कि बिल्कुल भी ठीक नहीं है उनके भविष्य के लिए। वह यह भी कहते हैं कि हमें आलस्य का मूल कारण ढूंढना पड़ेगा और उसे जड़ से समाप्त करना पड़ेगा।

13. आपसी प्रेम बढ़ाने के लिए लेखक भारत के लोगों से आग्रह क्यों करता है?

उत्तर: धर्म के नाम का जो शहर है उस सबसे बड़ा रोग है हमारे देश के पिछड़ेपन का धार्मिक भेदभाव और जाति भेदभाव के कारण ही भारत और सभी देशों से पिछड़ गया है। यह धर्म और जाति में भारत को पूरी तरह से खोखला कर दिया है और यही कारण है कि आज भारत पूरी तरह से खंडित हो चुका है। जैसा कि हम सभी जानते हैं लोग धर्म और जाति के नाम पर एक दूसरे से लड़ते हैं झगड़ते हैं और इसका पूरा का पूरा फायदा

https://www.evidyarthi.in/

अंग्रेज उठाते हैं। अंग्रेजों की फूट डालो शासन करो नीति तो आप सबको याद होगी बस हमें इस नीति को दूर करना है आपसे प्रेम बढ़ाना है और फिर से हमारा देश एकता के सूत्र में बंध जाएगा। दुनिया का ऐसा कोई भी शासन नहीं होगा जो हमें गुलाम बना सके।

14. लेखक ने भारतवासियों को पश्चिमी देश के लोगों से क्या सीखने की सलाह दी है?

उत्तर: लेखक कहते हैं कि भारत को पश्चिमी देशों से बहुत कुछ सीखना चाहिए। यह भी कहते हैं कि राजा महाराजाओं का शुभ समय नष्ट करना आता है लेकिन ऐसा नहीं करते । भारतीयों के पिछड़े होने का मूल कारण उनका आलस्य और परिश्रम न करना है। यहां लोग अपना जीवन फालतू और बेकार कार्यों में नष्ट कर देते हैं जबकि पश्चिमी देशों में मजदूर तक अपना समय अखबार पढ़ते हुए बिताते हैं। यही वजह है कि आज भारत में बेरोजगारों की संख्या प्रतिदिन बढ़ते जा रहे हैं।

15. लेखक ने भारतीय समाज को अभागा कहां है क्यों?

उत्तर: भारतेंदु जी ने भारतीय समाज को अभावा कहां है क्योंकि भारतीयों में आलस्य बहुत ही ज्यादा मात्रा में समा गया है। यही कारण है कि आज हमारे देश में बेरोजगारी की संख्या बहुत ही अधिक हो चुकी है। उनका मानना है कि दूषित चीजों से पहले हमें अपने अंदर के आलस्य को दूर करना होगा तभी जाके हमारा लक्ष्य पूरा होगा और हमें उन्नति प्राप्त होगी। भारतीयों में जो आलस्य का यह रोग लगा है उसको समाप्त करना इतना आसान नहीं है और यह उनकी मेहनत पर एक बहुत बड़ी चुनौती होता है।

https://www.evidyarthi.in/